Dr. REETU RAJ

Assistant Professor

Department of HISTORY

RAJA SINGH COLLEGE SIWAN

(Jai Prakash University Chapra)

Lecture Notes on -- **1526 ई. में भारत की राजनीतिक स्थिति का विवरण।**

(for TDC Part 2 HISTORY HONOURS)

1526 ई. में भारत की राजनीतिक स्थिति का विवरण।

बाबर के आक्रमण की पूर्व भारत राजनीतिक स्थिति कमजोर हो चुकी थी।भारत में कई युद्धरत शक्तियों के बीच राजनीतिक वर्चस्व के लिए संघर्ष चल रहा था। 1526 ई. या सोलहवीं सदी के आरम्भ में भारत की जो राजनीतिक दशा थी, उसे निम्नलिखित शीर्षकों में बाँटा जा सकता है-

1. केन्द्रीय सत्ता का दुर्बल होना.

2. उत्तरी भारत के राज्य.

3. दक्षिणी भारत के राज्य.

1. केन्द्रीय सत्ता का दुर्बल होना - इस समय तक दिल्ली सल्तनत अपनी सत्ता की चमक खो चुकी थी तथा इसका एक बड़ा भाग अशान्त था तथा क्षेत्रीय शक्तियाँ अपने को स्वतन्त्र करने के लिए प्रयासरत थीं। अतः इस समय

विद्रोहों और छिट-पुट संघर्षों का दौर चल रहा था। दिल्ली का राजसिंहासन निस्सन्देह प्रतिद्वन्द्वी गुटों के बीच उछाला जा रहा था। आंतरिक षड्यंत्र बड़े पैमाने पर की जा रही थी।

इस समय प्रान्तों में कुछ संगठित राज्य भी थे, जो पर्याप्त रूप से सैनिक साधन सम्पन्न थे और व्यवस्थित रूप से प्रशासित थे। बंगाल, जौनपुर, मालवा, गुजरात आदि को हम ऐसे राज्यों में रख सकते हैं।

2. उत्तरी भारत के राज्य–बाबर के आक्रमण के समय उत्तरी भारत छोटे-छोटे अनेक राज्यों में विभक्त हो गया था और केन्द्रीय शक्ति इस समय क्षीण हो गई थी और इस समय उत्तरी भारत में निम्नलिखित प्रमुख राज्य थे-

3. सामान्यता दक्षिण भारत में दिल्ली सल्तनत का प्रभाव स्थाई रूप से नहीं रहा।

(A) दिल्ली - इस समय दिल्ली उत्तरी भारत का सर्वप्रमुख राज्य था तथा दिल्ली का सुल्तान इब्राहीम लोदी एक विशाल साम्राज्य का स्वामी था। इब्राहिम लोदी के पास शक्ति और राजनीतिक कूटनीति का अभाव था। उसने कई दुश्मन बनाए थे। वह कई अफगान और तुर्क रईसों के साथ मित्रतापूर्ण शर्तों पर नहीं था। व्यावहारिक दृष्टि से उसका प्रभाव दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्रों तक ही सीमित था। उसके कठोर एवं मनमाने व्यवहार से उसके दरबारी एवं सैनिक अधिकारी तंग आ चुके थे तथा सभी उसके पतन के आकांक्षी थे। लाहौर के सूबेदार दौलत खाँ लोदी ने अपने आपको स्वतन्त्र शासक घोषित कर दिया था।

(B) मेवाड़ - मेवाड़ उत्तरी भारत का सर्वप्रमुख हिन्दू राज्य था। यहाँ का शासक राणा सांगा। था, जो स्वयं दिल्ली सल्तनत पर अपना अधिकार करना चाहता था। इसका प्रभाव सम्पूर्ण राजपूताने पर था। बाबर ने स्वयं अपनी आत्मकथा में इस शासक का उल्लेख करता है।

(C) अन्य राज्य–बाबर के आक्रमण के समय पंजाब,

खानदेश, उड़ीसा, कश्मीर एवं सिन्ध आदि अन्य स्वतन्त्र राज्य थे. इसमें पंजाब का शासक इब्राहीम लोदी का भाई दौलतखाँ लोदी था, उसने आपसी वैमनस्य के कारण बाबर को भारत पर आक्रमण करने का निमन्त्रण दिया था.

References: Internet & Competitive books.